Hindustan (Date: - 25/01/2020)

खुफिया सूचना जुटाने और नक्सल क्षेत्र में विशिष्ट कार्य के लिए पुलिस अधिकारियों और जवानों को मिला मेडल

एसपी धुरत सायली को मिला 'बेस्ट इलेक्टोरल प्रैक्टिसेज अवार्ड'

पटना | हिन्दुस्तान ब्यूरो

भारतीय पुलिस सेवा की बिहार कैडर की अधिकारी धुरत सायली सावलाराम को शनिवार को राष्ट्रपति के हाथों पुरस्कार मिलेगा। उनका चयन 'बेस्ट इलेक्टोरल प्रैक्टिसेज अवार्ड' 2019 के लिए हुआ है। राष्ट्रीय मतदाता दिवस के अवसर पर शनिवार को राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद उन्हें पुरस्कार देंगे। दिल्ली कैंट के मानेक शॉ सेंटर में स्थित जोरावर ऑडिटोरियम में पुरस्कार वितरण होना है।

धुरत सायली सावलाराम।

पुलिस आंतरिक सुरक्षा सेवा पदक से सम्मानित किये गये

एक अपर पुलिस अधीक्षक, 1 पुलिस उपाधीक्षक, 11 सब-इंस्पेक्टर, 3 एएसआई , 1 हवलदार और 33 सिपाही को भी पुलिस आंतरिक सुरक्षा सेवा पदक से सम्मानित किया गया है। यह पदक नक्सल प्रभावित क्षेत्रों में दो वर्षों से अधिक की सेवा के दौरान विशिष्ट कार्य के लिए गृह मंत्रालय की ओर से राज्य के पुलिस महानिदेशक द्वारा प्रदान किया जाता है। एडीजी मुख्यालय जितेन्द्र कुमार ने पदक प्राप्त करनेवाले सभी पुलिस अधिकारियों और जवानों को बिहार पुलिस की तरफ से शुभकामनाएं दी हैं।

एसटीएफ के 8 अफसरों व जवान को मिला पदक : आतंकवाद और उग्रवाद आदि की रोकथाम में असाधारण खुफिया सूचना जुटाने में साहस और कौशल दिखानेवाले एसटीएफ के 8 समेत 9 पुलिस कर्मियों को 'असाधारण आसूचना कुशलता पदक' प्रदान किया गया है। गृह मंत्रालय द्वारा प्रत्येक वर्ष यह पदक दिया जाता है। एसटीएफ के 6 सब-इंस्पेक्टर, 1 एएसआई, 1 सिपाही के अलावा स्पेशल ब्रांच के 1 सिपाही को यह पदक दिया गया है। डीआईजी राजेश कुमार समेत 54 को आंतरिक सुरक्षा सेवा पदक राज्य के उग्रवाद प्रभावित क्षेत्रों में आंतरिक सुरक्षा और जवाबी कार्रवाई के तहत किए गए विशिष्ट कार्य के लिए डीजीपी बिहार गुप्तेश्वर पाण्डेय ने 55 पुलिस अधिकारियों और जवानों को पुलिस आंतरिक सुरक्षा सेवा पदक से नवाजा है। पदक पाने वालों में डीआईजी राजेश कुमार, एसपी अरविंद ठाकुर, कटिहार एसपी धुरत सायली सावलाराम और दरभंगा के एसएसपी बाबू राम शामिल हैं।

Prabhat Khabar (Date: - 25/01/2020)

कर्पूरी जयंती. एससी-एसटी के तर्ज पर सहायता का एलान

उद्योग के लिए अब अति पिछड़ों को भी 10 लाख की मदद : सीएम

संवाददाता ▷ पटना

राज्य सरकार अब एससी-एसटी के तर्ज पर अति पिछड़ों को भी 11वीं के बाद आगे की पढ़ाई और उद्योग लगाने के लिए आर्थिक मदद देगी. जननायक कर्पूरी ठाकुर की जयंती पर शुक्रवार को मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने इसका एलान किया. एसके मेमोरियल सभागार में जदयू के अति पिछड़ा प्रकोष्ठ की ओर से आयोजित कर्पूरी जयंती समारोह में मुख्यमंत्री ने अति पिछड़ों के लिए भी मुख्यमंत्री उद्यमी योजना की शुरुआत की घोषणा की. उन्होंने कहा कि इसके तहत अति पिछड़ों को उद्यमी बनाने के लिए 10 लाख रुपये की आर्थिक मदद दी जायेगी. इसमें पांच लाख रुपये अनुदान और पांच लाख की राशि बिना ब्याज के ऋण के रूप में होगी. वहीं, 11वीं पास होने पर ढाई लाख रुपये वार्षिक पारिवारिक आय वाले अति पिछड़ों ● बाकी पेज 13 पर देखें पेज 08 व 09 भी

11वीं पास होने पर अति पिछड़ा वर्ग के विद्यार्थियों को भी मेडिकल इंजीनियरिंग, डिप्लोमा, प्रबंधन की पढ़ाई के लिए मिलेगी सहायता

शुक्रवार को एसके मेमोरियल हॉल में जदयू की ओर से आयोजित कर्पूरी ठाकुर जयंती समारोह में सीएम नीतीश कुमार, ऊर्जा मंत्री विजेंद्र यादव व सांसद ललन सिंह व अन्य.

कुछ लोग वोट की चिंता करते हैं, पर हम काम की

मुख्यमंत्री ने बिना किसी का नाम लिये विपक्षी दलों पर निशाना साधा. कहा कि कुछ लोग वोट की चिंता करते हैं, वहीं जदयू के लोग काम की चिंता करते हैं. साथ ही कहा कि कुछ लोग मानव श्रृंखला का विरोध कर रहे थे, जबकि यह राजनीतिक नहीं, सामाजिक मुद्दा है. करना कुछ है नहीं, केवल बयानबाजी करना है. उन्होंने कहा कि हाशिये पर रहने वाले लोगों को मुख्यधारा में लायेंगे. बिहार की विकास दर 11.3 फीसदी है. समाज में प्रेम, सद्भावना और भाईचारे का काम करते है.

चुनाव की फिक्र नहीं करनी है, अपना काम करना है

मुख्यमंत्री ने पार्टी के नेताओं और कार्यकर्ताओं से कहा कि चुनाव आने वाला है. उसकी चिंता नहीं करनी है, अपना काम करना है. जनता किसी परिवार और व्यक्ति के पक्ष में नहीं, बल्कि जनहित में फैसला लेगी. काम से प्रभावित होकर लोग मतदान करेंगे.

एक दूसरे के प्रति इज्जत व सद्भावना का भाव रखें

मुख्यमंत्री ने कहा कि बहुत लोग बायें-दायें, इधर-उधर करने की कोशिश करेंगे. अगर समाज व देश की तरक्की में योगदान करना चाहते हैं, तो एक दूसरे के प्रति इज्जत और सद्भावना का भाव रखियेगा, यह बहुत जरूरी है.

Prabhat Khabar (Date: - 25/01/2020)

शुक्रवार को गांधी मैदान में गणतंत्र दिवस के परेड की रिहर्सल करते जवान.

गांधी मैदान. गणतंत्र दिवस को लेकर परेड रिहर्सल संपन्न, आयुक्त ने की ब्रीफिंग

कड़ी सुरक्षा में मनेगा गणतंत्र दिवस समारोह

संवाददाता ▷ पटना

गांधी मैदान में गणतंत्र दिवस को लेकर शुक्रवार को अंतिम परेड रिहर्सल संपन्न हो गयी. इसके साथ ही 26 जनवरी को होने वाले समारोह को लेकर तैयारियां पूरी कर ली गयी हैं. परेड रिहर्सल में पटना प्रमंडल के आयुक्त संजय कुमार अग्रवाल, जिलाधिकारी कुमार रवि व एसएसपी उपेंद्र कुमार शर्मा ने भाग लिया. रिहर्सल के दौरान सेना, पुलिस व एनसीसी की ओर से परेड में भाग लिया गया, जिनकी सलामी आयुक्त संजय कुमार अग्रवाल ने ली. रिहर्सल पूरी होने के बाद आयुक्त ने गांधी मैदान में प्रतिनियुक्त पदाधिकारी, दंडाधिकारी, पुलिस पदाधिकारी व पुलिस बलों को कार्यक्रम व सुरक्षा को लेकर ब्रीफिंग की.

सुबह छह बजे ही उपस्थित हों कर्मी : इस दौरान आयुक्त ने 26 जनवरी को सभी को गांधी मैदान में छह बजे सुबह में ही उपस्थित होने का निर्देश दिया है. जिन लोगों की जहां भी ड्यूटी लगी है, वे अपनी जगह पर चले जायेंगे और कार्यक्रम समाप्ति के बाद ही वरीय अधिकारियों का निर्देश लेकर हटेंगे. आयुक्त ने गांधी मैदान के अंदर किसी भी हालत में पशुओं का प्रवेश न हो, इसके लिए सतर्कता रखने का भी निर्देश है. परेड रिहर्सल कार्यक्रम के दौरान यातायात एसपी डी अमरकेश, नगर पुलिस अधीक्षक मध्य विनय तिवारी, नगर पुलिस अधीक्षक ग्रामीण कांतेश मिश्रा आदि उपस्थित थे.

26 जनवरी के कार्यक्रम के लिए गांधी मैदान में तैयारियां पूरी

राज्यपाल करेंगे झंडोतोलन

26 जनवरी को सुबह नौ बजे बिहार के राज्यपाल द्वारा झंडोत्तोलन किया जायेगा. इस दौरान बिहार सरकार के कई अधिकारी भी मौजूद रहेंगे. उन्हें गांधी मैदान के गेट संख्या दस से अंदर प्रवेश कराया जायेगा.

प्रवेश करने के लिए गांधी मैदान के अलग-अलग गेट कर दिये गये हैं निर्धारित

गांधी मैदान के दक्षिण ओर के तीन प्रमुख गेट संख्या 09, 10 व 11 से केवल आमंत्रित अतिथि ही गांधी मैदान में प्रवेश करने की इजाजत मिलेगी. मीडियाकर्मी गेट संख्या आठ से गांधी मैदान के अंदर प्रवेश करेंगे. आम लोगों का प्रवेश सुबह सात बजे से गेट संख्या 04, 05, 06, 07 व 12 से होगा. समारोह समाप्त होने के बाद आमजनों के निकास के लिए गांधी मैदान के सभी गेट खोल दिये जायेंगे.

12 पेयजल वाटर टैंकरों की व्यवस्था

26 जनवरी को तमाम वाटर हाइड्रेंट्स चालू रखे जायेंगे व 12 पेयजल टैंकर की व्यवस्था पटना नगर निगम द्वारा की जायेगी. इसके साथ ही चार प्राथमिक चिकित्सा शिविर गांधी मैदान के चार मुख्य द्वारों पर बनाये जायेंगे.

झांकी

- **नगर विकास व आवास विभाग :** वर्षा जल संचयन
- **जीविका, समाज कल्याण विभाग :** वित्तीय समावेशन से जीविकोपार्जन व उद्यमिता विकास
- **उपेंद्र महारथी शिल्प अनुसंधान संस्थान,उद्योग विभाग :** ताड़ पेड़ पर आधारित उद्योग-नीरा
- **कृषि विभाग :** मौसम के अनुकूल कृषि कार्यक्रम
- **परिवहन विभाग :** सड़क सुरक्षा मुख्यमंत्री ग्राम परिवहन योजना
- **महिला विकास निगम :** महिला हिंसा के विरुद्ध बिहार सरकार की मुहिम
- **मद्य निषेध, उत्पाद व निबंधन विभाग :** मद्य निषेध
- **बिहार शिक्षा परियोजना :** किताबों की दुनिया
- **बीएमएसआइसीएल, स्वास्थ्य विभाग :** पीएमसीएच बनेगा देश का सबसे बड़ा अस्पताल
- **पर्यटन निदेशालय :** बुद्धिस्ट सर्किट से जुड़े मुख्य पर्यटन स्थल
- **निर्वाचन विभाग :** इलेक्टोरल लिट्रेसी फॉर स्ट्रॉन्गर डेमोक्रेसी
- **पथ निर्माण विभाग :** सड़क सुरक्षा
- **ब्रेडा, पटना :** नीचे मछली, ऊपर बिजली
- **ग्रामीण विकास विभाग :** जल-जीवन-हरियाली
- **जल संसाधन विभाग :** गंगा उद्वह योजना

परेड में शामिल रहेंगे ये बल

- सशस्त्र सैन्य बल
- सीआरपीएफ
- भारतीय सेना
- आइटीबीपी
- एसटीएफ
- बीएमपी
- जिला शस्त्र बल
- होमगार्ड ग्रामीण
- होमगार्ड शहरी
- एनसीसी आर्मी
- एनसीसी एयरफोर्स
- एनसीसी नेवी
- बिहार स्काउट
- बिहार गाइड
- श्वान दस्ता
- फायर ब्रिगेड

एसपी धुरत को दिया गया बेस्ट इलेक्टोरल प्रैक्टिसेस अवॉर्ड

पटना. बिहार पुलिस के कई पदाधिकारी और सिपाहियों को श्रेष्ठ कार्य के लिए मेडल और अवॉर्ड से नवाजा गया है. एडीजी मुख्यालय जितेंद्र कुमार ने बताया कि अररिया की एसपी धुरत सायली सावालाराम को चुनाव आयोग ने बेस्ट इलेक्टोरल प्रैक्टिसेस अवार्ड 2019 के लिए चयनित किया है. राष्ट्रपति शनिवार को दिल्ली के जोरावर ऑडिटोरियम में अवार्ड प्रदान करेंगे. वहीं राज्य के उग्रवाद प्रभावित क्षेत्र में दो साल तक तैनात पुलिस कर्मियों को डीजीपी द्वारा पुलिस आंतरिक सुरक्षा सेवा पदक (एलडब्लूइ) मिला है. डीआइजी बेगुसराय रेंज, राजेश कुमार, एसपी अरविंद ठाकुर (एआइजी बीएमपी), एसपी अररिया धुरत सायली सावलाराम, एसएसपी दरभंगा बाबुराम के अतिरिक्त एक एएसपी, एक डीएसपी, 11 दारोगा, तीन जमादार, एक हवलदार तथा 33 सिपाहियों को सम्मान दिया गया है. आतंकवाद, उग्रवाद, विद्रोह की रोकथाम के लिए असाधारण साहस दिखाने के लिये गृह मंत्रालय ने एसटीएफ के छह दारोगा, एक जमादार, एक सिपाही तथा स्पेशल ब्रांच के एक सिपाही को इंटेलीजेंस मेडल प्रदान किया है.

Prabhat Khabar (Date: - 25/01/2020)

गांव में रोजगार के अवसर पैदा करना आवश्यक: रजक

कार्यक्रम में मौजूद उद्योग मंत्री श्याम रजक व अन्य.

संवाददाता ▷ पटना

उद्योग मंत्री श्याम रजक ने कहा कि गांव में अगर रोजगार के अवसर होंगे, तो शहरों पर दबाव कम बढ़ेगा. इसके लिए गांव में रोजगार के अवसर विकसित करना आवश्यक है. इस दिशा में राज्य सरकार काम कर रही है. मुख्यमंत्री ग्राम परिवहन योजना, दलित उद्यमी योजना सहित अन्य कई योजनाएं चलायी जा रही हैं. गरीबों व वंचित लोगों के प्रति सरकार प्रतिबद्ध है. शुक्रवार को एएन सिन्हा सामाजिक अध्ययन संस्थान में माई सिटी एलायंस फॉर अर्बन पुअर इंडो ग्लोबल सोशल सर्विस सोसाइटी की ओर से आयोजित राज्यस्तरीय सम्मेलन में उद्योग मंत्री ने उक्त बातें कहीं. कार्यक्रम में दूरदर्शन बिहार के निदेशक राजकुमार नाहर ने कहा कि सरकार की शहरीकरण से जुड़ी योजनाओं के बारे में दूरदर्शन के माध्यम से जागरूकता फैलायी जा रही है. सौम्या दत्ता ने कहा कि शहर में कुल आबादी के 40 फीसदी लोग रहते हैं. एक बोतलबंद पानी को तैयार करने में आधा किलो कोयला जलाने जितना ऊर्जा का उपयोग होता है.

पर्यावरण के संरक्षण के लिए रोजमर्रा की जिंदगी में बदलाव की जरूरत है. संगठन की ओर से शहरी गरीबों पर किये गये अध्ययन को लेकर कहा गया कि सबसे अधिक बेघर 25-35 वर्ष की आयु वर्ग के लोग हैं. ऐसे लोगों में से 22% के पास किसी प्रकार का कोई पहचान पत्र नहीं होता है. सम्मेलन में गवर्नेंस एक्सपर्ट शिमला के मेयर टिकेंद्र पनवार, आइजीएसएस के मैनेजर एडमिन चार्लीज ,महेंद्र रौशन, संजय सिंह, माला सिन्हा, रेशमा प्रसाद के अलावा कई अन्य ने भी शिरकत की.

Prabhat Khabar (Date: - 25/01/2020)

कला के रंग

एक जापानी नागरिक हाशेगावा ने मिथिला कला के विकास के लिए विशेष प्रयास किया है. उन्होंने राजधानी टोकियो से उत्तर–पश्चिम में बसा शहर निगाता में एक पहाड़ी पर मिथिला संग्रहालय की स्थापना का कीर्तिमान स्थापित किया है.

बिहारी कला की पहचान बन गयी मिथिला पेंटिंग

मिथिला पेंटिंग की विकास यात्रा वस्तुतः मिथिलांचल की कला निपुण महिलाओं की विकास यात्रा है. चाहे भारत के प्रधानमंत्री हो या अमेरिका के राष्ट्रपति इस लोककला की बारीकियों से परिचित हैं. जापान तो पिछले पैंतीस वर्षों से मिथिला चित्रकला को संरक्षण दे रहा है. एक जापानी नागरिक हाशेगावा ने मिथिला कला के विकास के लिए विशेष प्रयास किया है. उन्होंने राजधानी टोकियो से उत्तर-पश्चिम में बसा शहर निगाता में एक पहाड़ी पर मिथिला संग्रहालय की स्थापना का कीर्तिमान स्थापित किया है. इस संग्रहालय में दो हजार के करीब मिथिला चित्रकला का संग्रह प्रदर्शित किया है. इस संग्रह में जगदंबा देवी, सीता देवी, महासुंदरी देवी, गंगा देवी, बउआ देवी, गोदावरी दत्त, यशोदा देवी, कर्पूरी देवी के संग्रह मौजूद हैं. समकालीन कला के दौर में भी यह परंपरागत लोकचित्र शैली बिहार की सांस्कृतिक विरासत को इस मुकाम पर पहुंचाने में सर्वप्रथम कला विद्वान डब्ल्यूजी आर्चर ने इस लोककला की ओर विश्व का ध्यान आकृष्ट किया. इसके बाद भास्कर कुलकर्णी, जगदीशचंद्र माथुर, उपेंद्र महारथी, ललित नारायण मिश्र और कमला देवी चट्टोपाध्याय जैसे सुप्रसिद्ध कला प्रेमी और समाजसेवियों के कार्य को भुलाया नहीं जा सकता. फलस्वरूप यह मिथिलांचल के गांवों से अंतरराष्ट्रीय स्तर पर प्रसिद्ध हुई. मिथिला चित्रशैली के सृजन का केंद्र मुख्य रूप से मिथिलांचल के गांव ही हैं. इनमें जितवारपुर, रांटी, राजनगर, लहेरियागंज, रसीदपुर, सरहद, सिमरी, सलेमपुर, भक्षी के अलावा यहां के कई गांव अब सृजन केंद्र के रूप में ख्याति प्राप्त कर चुके हैं. कला समीक्षकों और पुरातत्व विदों का मानना है कि सिंधु घाटी सभ्यता के पुरातत्व अवशेषों में जिस प्रकार की आकृतियां मिली हैं उसी प्रकार की आकृतियां वर्तमान में मिथिला चित्रकला शैली में बनायी जाती है. अतः इन तथ्यों के आधार पर बिहार की इस महिला प्रधान चित्रकला का इतिहास सिंधु घाटी सभ्यता से भी पूर्व का माना जा सकता है. इतना ही नहीं मिथिला के भित्ति चित्र की उत्पत्ति और प्राचीनता रामायणकाल का माना जा सकता है. इसी प्रकार पंचमार्क मुद्राओं पर अंकित-प्रतीक और हड़प्पा कालीन चित्रकृतियों में अंकित प्रतीकों का तालमेल मिथिला पेंटिंग में काफी मिलता-जुलता है. मिथिला पेंटिंग के चित्रों को मुख्य रूप से तीन भागों में विभाजित किया है, जो इस प्रकार है-भूमि चित्र, भित्ति चित्र और पट चित्र. भूमि चित्र प्रायः घर के आंगन में और दरवाजे पर, भिति चित्र घर के बाहर और भीतर की दीवारों पर तथा पट चित्र कागज, कपड़े एवं प्लाइवुड आदि पर बनाये जाते हैं. इसी प्रकार लोकचित्र शैली के चित्रों को चार श्रेणियों में विभाजित किया जा सकता है. उदाहरण स्वरूप रंगीन-चित्र, रेखा चित्र, गोदना और तांत्रिक चित्र. रंगीन चित्र की बाहरी रेखा को गाढ़े स्याही से बना कर उसमें चटकीले रंगों को सूक्ष्मता पूर्वक भरा जाता है जबकि रेखा-चित्रों को सामान्य रूप से काले और कभी-कभी पीले एवं लाल स्याही से सफेद और काले रंगों वाली पृष्ठभूमि प्रदान करने वाले कागज अथवा कपड़े पर बनाया जाता है. इसी प्रकार गोदना चित्रों को पारस्परिक रूप से महिलाओं द्वारा गोबर के लेप और काला रंग से बनाया जाता है जबकि तांत्रिक चित्रों को तंत्र विधा का जानकार व्यक्ति रचता है. यहां की कला को कचनी और भरनी भी कहा जाता है. कचनी रेखा चित्र को कहते हैं. इसी प्रकार भरनी रंगीन चित्रों को कहा जाता है.

जैसा राजकुमार लाल ने रविशंकर उपाध्याय को बताया.